हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 अक्टूबर, 2024

11 संतो का ज्ञान वहां से शुरू होता है,जहां बुद्धि की ...

12 पति की दीर्घायु और सलामती के लिए सुहागिनों ने ...

खबर संक्षेप

श्रुति चौधरी अफसरों के संग कल करेंगी बैठक

भिवानी। कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी सोमवार को जिला के प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि मंत्री श्रुति चौधरी की अध्यक्षता में यह बैठक दोपहर 11.30 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में आयोजित की जाएगी। कैबिनेट मंत्री बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं व सेवाओं की समीक्षा करेंगे, साथ ही आमजन से जुड़ी समस्याओं के निवारण के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी देंगी।

समाजसेवियों एवं छात्रों का होगा सम्मान

भिवानी। ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र कादमा में स्वच्छ व स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण विषय पर 22 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे विशाल आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि सम्मेलन में बतौर मुख्य वक्ता विश्व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर प्रोफेसर ईवी गिरीश मुंबई से पधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि बात और मुख्यातिथि एसडीएम लोहारू मनोज दलाल होंगे तथा समाजसेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक राजयोगी ब्रह्माकुमार बिरेन्द्र माउंट आबू से विशेष रुप से पधार रहे हैं।

सुमड़ा खेड़ा घाट में पशु मरने से मची खलबली

भिवानी। सुमड़ा खेड़ा पुल के पास घाट में सड़ती पशु की डैड बॉडी।

बवानीखेड़ा। सुमड़ा खेड़ा पुल के पास घाट में गाय, सांड की डेड बॉडी देखकर सभी आश्चर्य चकित हो गए क्योंकि विभाग के कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों तक इसकी सूचना नहीं है और यही पानी लोग सेवन कर रहे हैं। वहीं गांव के सरपंच मनफूल सिंह ने बताया कि जेसीबी से इसे निकलवाया जाएगा। सुमड़ा खेड़ा घाट में मरे हुए पशु की डेड बॉडी देखकर ग्रामीणों में रोष जताया ओर बताया कि विभाग को इसकी सुध लेनी चाहिए ताकि लोगों तक गंदा पानी की बजाए शुद्ध पानी पहुंच सके लेकिन विभाग को इस बात की जानकारी नहीं है ।

लार्वा मिलने पर 2500 को नोटिस डेंगू के डंक से 35 लोग प्रभावित

नगरपरिषद को प्रभावित इलाकों में फोगिंग करवाने की हिदायत

भिवानी। घर में रखे गमले के पानी में लारवा दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

- स्वास्थ्य विभाग टीम लगातार चला रही है अभियान
- स्वास्थ्य विभाग टीम ने कई दिनों से जमा पानी को निकालने की हिदायत दी
- 35 मरीजों में से कुछ तो ठीक हो चुके है और कुछ का उपचार भी चल रहा
- लोहारू में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वार्डों में चलाया अभियान

लोहारू। पानी की टंकी में लारवा चेक करते हुए।। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डेंगू का डंक तिखा होने की वजह से स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी कमर कस ली है। डेंगू से पीडित मरीजों की संख्या बढने की वजह से स्वास्थ्य विभाग ने लारवा ढूंढने के अभियान में भी तेजी ला दी।

अभी तक विभाग की टीमों ने घर घर जाकर कई दिनों से जमा पानी की जांच की तो करीब 2319 जगहों पर लारवा मिला। जिस पर विभाग ने उक्त लोगों को नोटिस जारी किए है। साथ ही कई दिनों से जमा पानी को निकालने की हिदायत भी दी है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने उक्त इलाकों में फोगिंग करवाए के लिए नगरपरिषद को सूचित किया है। ताकि डेंगू को फैलने से रोका जा सके। अभी तक जिले में 35 डेंगू के मरीज मिल चुके है। जिनमें से कुछेक तो ठीक हो चुके है और कुछेक का उपचार भी चल रहा है।

सामान्य अस्पताल में डेंगू से प्रभावित लोगों को भर्ती करने के लिए अलग से वार्ड भी स्थापित किया गया है। ताकि भर्ती करके उनका सही ढंग से इलाज किया जा सके। दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग की टीम सुबह ही मच्छरों का लारवा ढूंढने के लिए अपना अभियान शुरू कर देती है। साथ ही लोगों को कूलर, फ्रीज, पुराना टायर व अन्य प्लास्टिक के बर्तनों में कई दिनों तक पानी न रखे जाने की नसीहत दी। चूंकि इन्हीं में डेंगू के मच्छरों का लारवा पनपता है। इनके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीम तोशाम, बवानीखेड़ा, सिवानी आदि में भी इसी तरह का अभियान चलाए हुए है और लोगों को इसके प्रति जागरूक भी कर रहे है।

घर के आसपास के इलाके में पानी को एकत्रित नहीं होने दें: सुमेर सिंह

डेंगू के लगातार बढ़ रहे मरीजों की संख्या के बीच लोहारू सीएचसी की टीम ने शहर में विशेष अभियान चला रखा है। जिसके तहत शनिवार को हेल्थ इंस्पेक्टर सुमेर सिंह, अजय दहिया और सुरेंद्र सिंह की टीम ने शहर के वार्ड न. 10 व 11 में घर घर जाकर डेंगू और मलेरिया के लारवा की जांच की तथा लोगों को भी जागरूक किया। हेल्थ इंस्पेक्टर सुमेर सिंह , अजय दहिया ने बताया कि बदलते मौसम के दौरान डेंगू और मलेरिया के मच्छरों की बढ़ने की संभावना होती है। उन्होंने कहा कि टीम के लोगों ने अभियान चलाते हुए घर घर जाकर जांच की और जहां भी कहीं पानी एकत्रित होता है, उसका निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कई दिनों तक पानी ठहरे रहने से कूलर, नालियों, गड्ढों आदि में मच्छरों के लारवा पैदा हो जाते हैं जो बाद में मच्छर का रूप धारण करके लोगों को बीमार कर सकते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने घर के साथ साथ आसपास के इलाके में भी पानी को एकत्रित नही होने दें। नालियों आदि की सफाई नियमित रूप से करें। गड्ढों आदि में जहां पानी जमा हो जाता है, वहा काला तेल डाल दें। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि रात्रि में सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। बुखार आने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। अजय दहिया ने बताया कि शनिवार को लोहारू शहर के दो वार्ड में करीब 170 घरों में जांच की गई तथा मलेरिया की जांच के लिए 8 लोगों के ब्लड सैंपल भी लिए गए। उन्होंने बताया कि उनका यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

तोशाम। गाड़ी में अवैध पटाखों की जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

तोशाम में लाखों रुपये की कीमत के अवैध पटाखों का जखीरा पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

- शनिवार रात्रि को पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने पर मारा छापा,आरोपी युवक काबू

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तोशाम में पहाड़ के पीछे वाले रास्ते पर आरोही मॉडल विद्यालय के साथ कॉलोनी में बने एक मकान से लाखों रुपए के अवैध पटाखे का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से अवैध पटाखों सहित आरोपी युवक को काबू कर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शनिवार रात्रि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तोशाम निवासी एक युवक गांव खानक मार्ग पर पहाड़ के पीछे वाले रास्ते पर आरोही विद्यालय के साथ लगती कॉलोनी में बने एक मकान में काफी मात्रा में अवैध पटाखे बेचने के लिए रखे हुए है, जिनको वह रात्रि के समय बचने के लिए सप्लाई करेगा। यदि मौके पर तुरंत छाप मार्ग कार्रवाई की जाए तो बड़ी मात्रा में अवैध पटाखों सहित आरोपी युवक काबू आ सकता है। पुलिस ने तुरंत छापामार कार्रवाई करते हुए मौके पर जाकर देखा तो एक मकान के आगे एक युवक खड़ा मिला पुलिस ने युवक को काबू करके पूछताछ की तो उसकी पहचान तोशाम निवासी के रूप में हुई। तत्पश्चात पुलिस ने टीम के साथ मकान का गेट खोलकर अंदर चेक किया तो मकान के अंदर बड़ी मात्रा में गत्ते की पेटीयां रखी हुई थी जिनमें पटाखे, फुलझड़ियां, अनार, चकरी, पॉप पॉप, रॉकेट आदि विभिन्न प्रकार के करीबन 3 लाख रुपए कीमत के पटाखे थे। पुलिस ने आरोपी युवक को पटाखे सहित काबू कर लिया, तत्पश्चात पटाखो को गाड़ी में लोड करवाकर तोशाम थाने लाया गया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस ने लाखों रुपए की कीमत के अवैध पटाखों को बरामद कर गिरफ्त में ले लिया है। थाना प्रभारी शिवकुमार ने बताया कि तोशाम में बड़ी मात्रा में अवैध पटाखों का भंडार मिला है, अवैध पटाखों को बरामद कर आरोपी युवक को काबू कर लिया गया है। आरोपी युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को न्यायालय के आदेश के पश्चात अवैध पटाखों को नष्ट किया जाएगा।

विधायक ने किया अनाज मंडी का निरीक्षण

- किसानों व आढ़तियों को सुविधाओं की जरूरत होने पर मुहैया करवाने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

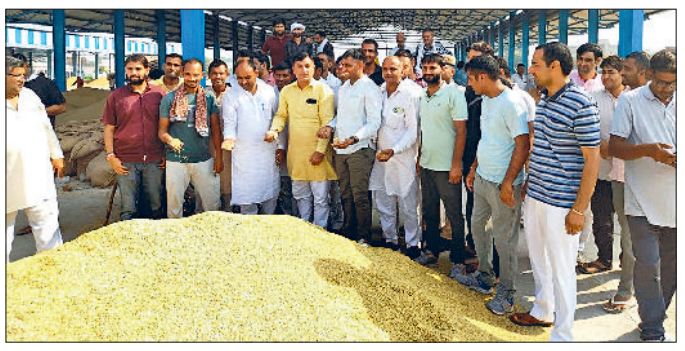

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा अनाज मंडी में हलका विधायक कपूर वाल्मीकि निरीक्षण करते हुए।

बवानी खेड़ा अनाज मंडी में हलका विधायक कपूर वाल्मीकि ने निरीक्षण किया। उनके अनाज मंडी में पहुंचने पर आढ़तियों व किसानों के चेहरों पर खुशी देखी गई क्योंकि वर्षों बाद किसी ने अनाज मंडी पहुंचकर आढ़तियों व किसानों की सुध ली। उन्होंने सभी को आश्वासन दिया कि किसी प्रकार की कमी होने पर उसे तुरंत प्रभाव से सुविधा मुहैया कराई जाएगा। प्रधान सुखबीर थोरी, विकास महता, पितराम मितल, राजू हंस, कुलदीप बलियाली ने बताया कि अनाज मंडी में बाजरा की खरीद सही चल रही उतराव, भराव, लोढ़गि की प्रक्रिया भी सही है। टोकन मार्केट कमेटी दे रही है कोई परेशानी नहीं है।

वेयरहाउस में एजेंसी द्वारा सही खरीद करवाई जा रही है। बाजरे का रेट सरकार द्वारा 2625 रूपए निर्धारित किया गया है। हालिया लगभग 40 हजार कट्टे की खरीद हो चुकी है। वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि यदि किसानों व आढ़तियों को किसी प्रकार की कमी महसूस हो तो उसे तुरंत प्रभाव से दुरूस्त करवाया जाएगा ताकि कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जो बवानी खेड़ा शहर व पूरे हलके ने उनके सिर पर विजय की पगड़ी रखी है वे उसे कभी झुकने नहीं देंगे।

थ्रो बॉल में ओपी जिंदल स्कूल की टीम बनी विजेता

- एनसीसी शिविर के छठे दिन रविवार को लड़कियों के थ्रो बॉल मैच करवाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

संगम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में चल रहे 10 दिवसीय एनसीसी शिविर के छठे दिन लड़कियों के थ्रो बॉल मैच करवाए गए। संस्थान संचालक संदीप पंघाल ने बताया कि नंबर वन हरियाणा एयर एनसीसी हिसार के तहत संगम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में 10 दिवसीय एनसीसी शिविर चल रहा है जिसमें प्रदेश के अनेक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

मैंने बताया कि एनसीसी शिविर के छठे दिन रविवार को लड़कियों के थ्रो बॉल मैच करवाए गए। जिसमें ओपी जिंदल मॉडर्न स्कूल हिसार की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया वहीं कलानौर के जेकेएम विद्यालय की टीम उपविजेता रही। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में एकल नृत्य प्रतियोगिताएं करवायी गई जिसमें बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक संदीप पंघाल ने खेलकूद बारे जानकारी देते हुए कहा की एनसीसी शिविर में 10 दिन के दौरान हर प्रकार के बारे में बारीकी से बताया जाएगा। पंघाल का कहना था कि खेलों से बच्चों का मानसिक विकास होता है और वह समाज के प्रति जागरूक होता है खेलकूद और गेम खेलने से छात्रों को अपने आत्मसम्मान, सामाजिक कौशल और आत्मविश्वास को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। यह उन्हें समय प्रबंधन और अनुशासन के बारे में भी सिखाता है। इसके अलावा, इसे करियर पथ या शौक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है और समाज के प्रति एक अच्छी भावना उत्पन्न होती है यही एनसीसी शिविर का उद्देश्य है। बच्चों को शिक्षा के साथ साथ खेलों को भी महत्व देना चाहिए,ताकि उनका मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास भी हो सके। इस अवसर पर वारंट अधिकारी हसन, दीपक बिष्ट, एसके चौहान, एस नायर सुदर्शन, प्रिया कुमारी, सुनील, मनीष, संदीप, प्रवीण राठी, हरदीप पंघाल, राजेंद्र, सुखविंदर, परमजीत जाखड़, मंजीत पूनिया, पूजा कुमारी, पंकज शर्मा, कुलदीप आदि मौजूद थे।

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते अतिथि।

शिविर में 46 युवाओं ने किया रक्तदान मास्टर पवन ने 21वीं बार कमाया पुण्य

भिवानी। गांव मित्ताथल के युवा खेलों के साथ-साथ अन्य सामाजिक गतिविधियों व रक्तदान में बढ़चढ़ कर भाग ले रहे हैं, जब भी गांव में कोई रक्तदान शिविर लगता है तो यहां के युवा जोश व उत्साह के साथ रक्तदान करते है, ये बात गांव मित्ताथल के राजकीय कन्या वमा विद्यालय में रक्तदान शिविर में युवाओं का हौंसला बढ़ाते हुए मुख्यतिथि द्रोणाचार्य एवं अर्जुन अवार्डी कैप्टन अशन कुमार सांगवान ने कही।

- रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं: कैप्टन अशन

उन्होंने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है, इसे जीवनदान भी कहते हैं, क्योंकि हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी का जीवन बचा सकता है। मास्टर पवन कुमार मित्ताथल ने बताया कि शिविर में चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल से डॉ. नरवीर चौधरी, नर्सिंग स्टाफ सुभाष कुमारी, सुमन, काउंसलर शर्मिला उर्फ मिली, लैट टेकनीशियन प्रदीप व रवि की टीम ने 46 यूनिट रक्त एकत्रित किया। मास्टर पवन कुमार ने 21वीं बार रक्तदान कर युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

ये रहे मौजूद : शिविर में विशिष्ट अतिथि प्रधान भीम सिंह सिवाच, चतर सिंह पहलवान, नरेश उर्फ नेसी सरपंच प्रतिनिधि, मा.र तेजराम शर्मा, कुलदीप सिंह फौगाट, मा. नीरकुमार, मा. सुभाष, प्रधान अशोक सिवाच, अधिवक्ता अनिल बलवान साहू, सरवर प्रधान, रमेश श्योराण, भलेराम, श्योकराज स्वामी, सुरेंद्र सिवाच, दिनेश सिवाच व विजय एसपीओ आदि मौजूद रहे।

जिंदगी को आसान नहीं बल्कि
खुद को मजबूत बनाना पड़ता है।
सही समय कभी नहीं आता
बस समय को सही बनाना पड़ता है।
- डा. एपीजे अब्दुल कलाम

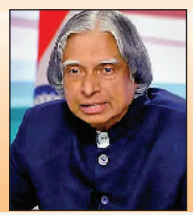

लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे।

कहानी

प्रवीन वर्मा 'राजन'

देवता

सभी मजदूरों के साथ सुमित्रा और कम्मो भी मुंशी के सामने इकठ्ठा हो गए।

मुंशी ने कहा- 'देखो, बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है। इससे काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। तुम लोग अपना हिसाब कर लो, अब बरसात बाद ही काम शुरू हो पायेगा।' मुंशी ने सबको उनकी मजदूरी दे दी।

सुमित्रा और कम्मो भी बुझे मन से सभी मजदूरों के साथ अपने घर लौट गईं। सुमित्रा विधवा और तीन बच्चों की मां थी और बहुत ही गरीब थी। मजदूरी करके अपना और अपने बच्चों का पेट पालती थी। मगर इस बरसात ने सुमित्रा की कमर तोड़ दी थी। करमजली बरसात भी बंद होने का नाम नहीं ले रही- मन ही मन बुदबुदाई सुमित्रा। 'अम्मा तिरपाल से पानी टपक रहा है।'

'हां बिटिया,सुमित्रा फ़टे हुए तिरपाल को देखकर बोली।' पन्नी, बांस, तिरपाल तानकर किसी तरह अपना छोटा सा आशियान बनाया था। उस पर भी नगर निगम वाले जब तब गिरा देते थे। लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे। थोड़ी सी लकड़ियां बची थीं, चूल्हा जलाने के लिए। किसी तरह चूल्हा जलाकर भात बनाया और बच्चों को खिलाने लगी।

बड़ी बिटिया बोली- 'अम्मा मुझे भूख नहीं है, छोटे और दीनू को खिला दो।'

सुमित्रा जानती थी कि मुसीबतों ने नौ साल की बिट्टो को समय से पहले ही बड़ा कर दिया। थोड़े से भात से छोटे और दीनू का पेट न भर सका।

'अम्मा नमक भात से अब पेट नहीं भरता, सब्जी दाल कब बनाओगी।' सुमित्रा की तरफ हसरत भरी निगाहों से देखते हुए दीनू ने कहा!

'कल हम लोग दाल बनाएंगे।'सुमित्रा ने दिलासा दी। आज तो किसी तरह समझा-बुझाकर दोनों बच्चों को सुला दिया। कल क्या होगा? बिट्टो और खुद भूखी ही लेट गयी। सुमित्रा की आंखों से नींद कोसों दूर थी। बच्चों के भूख से बिलखते चेहरे को याद करते-करते कब सुबह हो गयी, पता ही नहीं चला।

बिट्टो ने जगाया और कहा, 'अम्मा छोटे की तबियत और बिगड़ गयी।'

सुमित्रा भागकर छोटे के पास गई और उसे गोदी में उठाकर रोने लगी। बुखार से उसका शरीर तप रहा था। बरसात बंद होने का नाम नहीं ले रही। सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। मजदूरों की कोई सुध भी लेने वाला नहीं। सुमित्रा को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। वह भागकर थोड़ी ही दूरी पर रह रही कम्मो के घर गयी। दरवाजा खटखटाया।

कम्मो ने दरवाजा खोला और बोली, 'अरे सुमित्रा क्या हुआ?' सुमित्रा ने रोते हुए कहा, 'घर में खाने को कुछ नहीं है। पैसे भी नहीं हैं कि कुछ खरीद सकूं। छोटे की तबियत बहुत खराब है। मेरी थोड़ी मदद कर दे।'

'मेरे पास भी एक दो दिन की व्यवस्था है। अगर मैं तुझे दे दूंगी तो मेरा परिवार क्या करेगा'। साफ मना कर दिया कम्मो ने।

'...तो मैं क्या करूँ बताओ, कोई काम ही दिलवा दो', लगभग हाथ जोड़ते हुए सुमित्रा ने कहा।

'इस बरसात में हम मजदूरों को कौन काम देगा। ...हां, एक उपाय है, अगर तू कर सके तो बोल।'

'कौन सा उपाय' सुमित्रा बोली?

'वो जो छोटे ठेकेदार साहब हैं, यहीं पास ही उनका घर है। उनके घर जा, वो जो कहे वो कर देना बस। समझो तेरा दुख दूर हो गया।'

'क्या करना होगा मुझे'-सुमित्रा ने पूछा।

'अब इतनी भोली भी मत बन', कम्मो ने क्रोधित होते हुए कहा।

'मैं सही में नहीं समझी कम्मो। तू साफ-साफ बता।'

'उनकी इच्छा पूरी कर देना बस, वो तुम्हारी गरीबी दूर कर देंगे।'

'ये क्या कह रही है तू, मदद नहीं कर सकती तो गलत सलाह तो मत दे', लगभग चीखते हुए सुमित्रा ने कहा और वहां से भागकर अपने घर आ गयी।

बिट्टो ने पूछा- 'अम्मा कुछ खाने को लायी क्या? दीनू और छोटे बहुत भूखे हैं।'

'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।
'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।

सुमित्रा ने अपना सिर न में हिला दिया। क्या करें क्या न करे। इसी उधेड़बुन में शाम हो गयी। वह किराने की दुकान पर कुछ सामान लेने गयी। पिछला उधार होने के कारण उसने भी भगा दिया। रात हो गयी किसी ने मदद नहीं की। बच्चे भूख से बिलख रहे थे। उसने खुद और बिट्टो ने दो दिन से कुछ नहीं खाया था। बरसात रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सुमित्रा स्वाभिमानी औरत थी, जिस्म का सौदा उसे मंजूर नहीं था।

लेकिन छोटे की बीमारी, भूख, टपकता तिरपाल आज उसे अपने स्वाभिमान से समझौता करने को मजबूर कर रहा था। उसका मन उसे धिक्कार रहा था कि तू कैसी मां है, जो बच्चों की भूख भी नहीं मिटा सकती। अचानक आंसू पोछकर वह उठी और बिट्टो से बोली, 'बिट्टो तू छोटे का ख्याल रख , मैं कुछ खाने को लेकर आती हूं।

'अम्मा जल्दी आना, बहुत भूख लगी है।'

सुमित्रा भारी मन से कम्मो के बताए पते पर चल दी। थोड़ी ही देर में वह उस घर के सामने खड़ी थी। दरवाजा खटखटाया तो एक बूढ़े ने दरवाजा खोला और पूछा- 'क्या हुआ, किससे मिलना है?'

'जी बाबू जी से', सुमित्रा बोली।

'अंदर आओ, तुम तो पूरी तरह भीग गयी हो। ये लो अंगौछा, इससे सूखा लो खुद को।'

अंदर से आवाज आई, - 'कौन है काका?'

'आपसे मिलने आयी है ,भेज दूं' बूढ़े काका ने कहा।

'भेज दो।'

'जाओ बिटिया।'

बिटिया शब्द सुनकर सुमित्रा को कुछ अपनापन महसूस हुआ। सकुचाते हुए सुमित्रा अंदर चली गयी। एक बड़े से हाल में चश्मा लगाए ठेकेदार साहब बैठे थे। उन्होंने पूछा, 'कौन हो तुम और हमसे क्या काम है?

'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।

'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।

'बाबू जी मेरे पास आपको देने के लिए इसके अलावा कुछ भी नहीं है।'सुमित्रा बोली।

'पहले अपनी साड़ी पहनो' - ठेकेदार साहब बोले। 'तुमको किसने ये सब बताया?'

'जी कम्मो ने।' सुमित्रा बोली।

'किसी की मजबूरी का फायदा उठाना मेरे संस्कारों में नहीं है। मैं कोई ऐसा वैसा आदमी नहीं हूँ। तुमको किसी ने गलत जानकारी दी है।' फिर उन्होंने काका को आवाज दी।

'जी, साहब जी।'काका बोले।

'काका, इसको कुछ खाने को दे दो और ये कुछ बुखार की दवाइयां पड़ी है वो भी दे दो।' काका ने एक बड़े टिफिन में ढेर सारा खाना और दवाइयां सुमित्रा को दीं।

सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि कम्मो ने जिस आदमी के विषय में क्या बताया था, वह तो देवता निकले।

खाना लेकर सुमित्रा जैसे ही निकलने लगी। बाबू जी ने कहा- 'रुको।' एकदम से सहम गयी सुमित्रा। पास आकर बाबू जी बोले, 'अपना नाम तो तुमने बताया ही नहीं।'

'जी.. सुमित्रा।'

'देखो सुमित्रा, मेरे घर में मैं और काका ही रहते हैं। काका भी अब बूढ़े हो गए हैं। इनसे घर का काम ठीक से नहीं हो पाता। अगर तुम्हारा मन हो तो मेरे घर का काम कर दिया करो। बदले में तुम्हे खाना और महीने में पैसा मिल जाएगा। और पीछे एक कमरा खाली है उसमें तुम अपने बच्चों के साथ रह भी सकती हो। सुमित्रा ने सहमति से सिर हिला दिया और अपने घर की ओर चलते-चलते सोचने लगी कि आज भी इस दुनिया में इंसानियत जिंदा है।

कविता

चीनू अग्रवाल

ज्ञान का भंडार

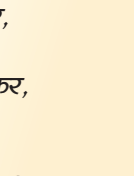

नन्हे नन्हे कदमों को,
दुनिया की दौड़ में दौड़ना सीखते हैं।
मासूम से मन को,
दुनियादारी समझते हैं।

छोटे-छोटे ख्वाबों को,
हकीकत में बदलना सिखाते हैं।
हर चीज का बोध कराके,
ज्ञान को आगे बढ़ाते हैं।

तरह-तरह की मुश्किलों से,
जिंदगी में लड़ना सिखाते हैं।
मन अंधेरे को दूर करके,
जीवन को चमकाते हैं।

छोटे-छोटे पाठ पढ़कर,
बड़े-बड़े डॉक्टर, इंजीनियर भी बनाते हैं,
ज्ञान को बांट कर,
देश को श्रेष्ठ बनाते हैं।

सही गलत का फर्क बता कर,
राहों को सरल बनाते हैं।
बंद हो जाते जब सब दरवाजे,
नया रास्ता दिखलाते हैं।

कुम्हार मिट्टी को आकार देकर,
जैसे घड़ा बनाते हैं।
वैसे ही नादान मन को ज्ञान देकर,
अच्छा इंसान बनते हैं।

आने वाले कल की चुनौतियों के लिए,
तैयार यह करवाते हैं।
क्या करना है जीवन में आगे,
यह हमें सिखलाते हैं।

ज्ञान का भंडार ये हैं,
अज्ञानता का अंधेरा हटाते हैं,
हौंसले बुलंद बनाते हैं।
तभी तो यह शिक्षक ये कहलाते हैं।

क्षमा उर्मिला

अंधेरों की परवरिश

क्या ये अंधेरों की परवरिश है
जो चाँद इतना चमक रहा है

कोई तो रिश्ता है रोशनी से
अंधेरा सदियों से संग खड़ा है

जो एक दिन छू लिया था तुमने
वो पतझड़ों में शजर हरा है

हम अपनी धड़कन से थक गये
है सांसें छोटी या दिन बड़ा है

उदासियां क्यूँ हैं हर ख़ुशी संग
दिल लम्हे लम्हे से लड़ रहा है

सुना है मैदाने जिंदगी में
कभी ख़ुशी का शहर रहा है

दिया था चुपके से मुठ्ठियों में
मेरा भरोसा कहाँ गिरा है

बड़ा है तन में, अड़ा है मन में
ये दर्द थोड़ा सा सरफिरा है

मगर प्रभू साथ चल रहे है
ये आसमानों का फैसला है

अगर में बिखरी हर एक ज़र्रा
स्नेह के रंग से ही भरा है

संजय सिंह चौहान

राजू की सच्ची दीपावली

बहुत समय पहले, एक छोटे से गाँव में नन्हा राजू अपने माता-पिता के साथ रहता था। राजू को त्योहारों का बहुत शौक था, और जब दीपावली का समय आया, तो वह बहुत उत्साहित हो गया। हर वर्ष की तरह, इस बार भी गाँव में दीपावली की तैयारी बड़े जोश और धूमधाम से हो रही थी। बाजार रंग-बिरंगी रोशनी, मिठाइयों, और खिलौनों से सजा हुआ था। हर घर के बाहर दीयों की कतारें लगाने की तैयारी हो रही थी, और लोग नए कपड़े खरीदने के लिए उत्साहित थे। राजू के पिता ने उसे बताया, ₹दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का त्योहार है। यह भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है, जब उन्होंने रावण को पराजित किया था और चौदह वर्षों के वनवास के बाद लौटे थे, उस दिन पूरे अयोध्या नगरी को दीयों से सजाया गया था, और तभी से दीपावली का त्योहार हर वर्ष मनाया जाता है। राजू को यह कहानी बहुत पसंद आई, और उसने सोचा, ₹अगर मैं भी रोशनी फैला सकूं और अंधकार को दूर कर सकूं, तो यह कितना अच्छा होगा! राजू के घर के पास एक निर्धन परिवार भी रहता था, जिनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वे दीपावली की तैयारी कर सकें। उस परिवार के बच्चे भी राजू की तरह दीपावली मनाना चाहते थे, लेकिन उनके पास न नए कपड़े थे, न मिठाइयाँ और न ही दीये। राजू ने यह देखा और उसे बहुत दुख हुआ। वह सोचने लगा कि अगर यह त्योहार खुशियों और रोशनी का है, तो इन्हें क्यों अंधकार में रहना पड़े? उसने अपनी गुल्लक तोड़ी, जिसमें उसने बहुत पैसे बचा रखे थे। राजू ने अपने माता-पिता से कहा, ₹मैं चाहता हूँ कि इस बार हम इस निर्धन परिवार के साथ दीपावली मनाएँ। राजू के माता-पिता उसकी इस सोच से बहुत खुश हुए। वे बाजार गए और उस परिवार के लिए नए कपड़े, मिठाइयाँ, और ढेर सारे दीये खरीद कर लाए। जब दीपावली की रात आई, राजू ने अपने माता-पिता के साथ उस परिवार के घर के बाहर दीपक जलाए। उसने बच्चों को नए कपड़े पहनाए और सबने मिलकर मिठाइयाँ खाईं। वह रात सचमुच अद्भुत थी। चारों ओर दीयों की रौशनी फैल चुकी थी और बच्चे खुशी से उछल रहे थे। राजू को उस रात बहुत खुशी हुई, क्योंकि उसने महसूस किया कि सच्ची दीपावली तभी होती है जब हम दूसरों के जीवन में भी खुशियों और रोशनी का दीपक जलाएं। इस तरह, उस गाँव में दीपावली का त्योहार हर वर्ष की तुलना में इस बार और भी विशेष बन गया। सबने मिलकर दीप जलाए, मिठाइयाँ बाँटी, और खुशियाँ मनाईं। और राजू ने एक बड़ी सीख सीखी—दीपावली का वास्तविक उद्देश्य सिर्फ अपने घर को सजाना नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश और प्रसन्नता लाना है। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि दीपावली का पर्व केवल अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का नहीं है, बल्कि यह प्रसन्नता और प्रेम बांटने का भी त्योहार है।

साहित्यकार कमलेश भारतीय हिंदी साहित्य के पाठकों और नवलेखकों को संदेश देते हैं कि दूसरों के श्रेष्ठ साहित्य को खूब पढ़िए। जैसे खेत में खाद डालते हैं ऐसे काम करता है यह श्रेष्ठ साहित्य पढ़ना। नए से नए रचनाकार को भी देखिए कि वह कैसे कहानी बुनता है। वह ख़ुद प्रतिदिन सुबह एक अच्छी रचना से दिन शुरू करते हैं। जैसे लोग गीता का अध्याय पढ़ते हैं, वह भी कोई एक अच्छी रचना पढ़ते हैं।

साक्षात्कार

डॉ. तबस्सुम जहां

संवेदना से याद की जाती हैं कहानियां : कमलेश भारतीय

हरियाणा साहित्य अकादमी में उपाध्यक्ष के पद पर रहे स्वतंत्र पत्रकार के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले बेहद जिंदादिल शख्सियत कमलेश भारतीय साहित्य के क्षेत्र में भी बेहद लोकप्रिय नाम हैं। कमलेश भारतीय को हाल ही में नोएडा में आयोजित मारवाह साहित्य समारोह में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्य रत्न सम्मान प्रदान किया गया। कमलेश भारतीय मूलतः पंजाब के नवांशहर के रहने वाले हैं, पर पिछले 27 साल से हिसार में रह रहे हैं। कमलेश भारतीय महज सत्रह वर्ष की आयु में शिक्षक से, प्राध्यापक एवं प्राचार्य के पदों पर अपनी सेवाएं देने के बाद दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़ में मुख्य संवाददाता रहे। उसके बाद अब तक इनके दस कथा संग्रह हिंदी साहित्य की धरोहर बन चुके हैं।

पंजाबी, उर्दू, अंग्रेजी, मराठी, डोंगरी, बंगला आदि भाषाओं में इनकी रचनाएं अनुवादित हो चुकी हैं। आपकी कृति 'एक संवाददाता की डायरी' को केन्द्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया। 28 सितंबर को रोहतक में हुए हाइफ़ा के वार्षिक समारोह में कमलेश भारतीय को भी सम्मनित किया गया। उसी दौरान एक विस्तृत चर्चा में सोशल मीडिया और साहित्य विषय पर उन्होंने खुलकर अपने विचार रखे। उन्होंने चिंता प्रकट कि आजकल सोशल मीडिया आने से हर तीसरा शख्स कवि, कहानीकार, ग़ज़लकार बन गया है। यह बहुत दुखद है और साहित्य के लिए सही दौर नहीं है। रात रात भर जाग कर पढ़ना, लिखना, रचना को संवारना यह सब जैसे बीते कल की बातें हो गई हैं। जब उन्होंने लिखना शुरू किया था तब वह पंजाब में थे और हिंदी टाइप की सुविधा भी नहीं थी। हाथ से कितनी बार लिखकर संशोधन करते और फिर इतना सुंदर लिखते कि टाइप किए हुए की बजाय उनकी रचना पढ़ी जाए। वो बताते हैं कि आज का सोशल मीडिया का दौर ऐसा है कि दो चार पंक्तियां लिखीं और लाइक्स की इंतज़ार शुरू। हमें पत्रों का इंतज़ार रहता था, जो संभाले जा सकते थे। सोशल मीडिया सिर्फ एक मंच है, जिससे साहित्य का प्रचार प्रसार तो हो सकता है लेकिन यह दिखावे का और आत्ममुग्धता का मंच ज्यादा है। इस आत्ममुग्धता से बचने की जरूरत है। प्रचार के लिए, साहित्य के प्रमोशन तक रखा जाना चाहिए न कि इससे साहित्य से दूर तक जुड़ा रहा जा सकता है। आज लोग छोटी कहानियों और लघुकथा में फ़र्क नहीं कर पाते।

इनके बीच विभाजक रेखा खींचते हुए कमलेश भारतीय बताते हैं कि बिजली की कौंध की तरह अचानक लघुकथा आंखों में चमकती है और इसे जानबूझकर विस्तार नहीं दिया जा सकता। जबकि कहानी आकार में छोटी हो सकती है पर कहानी ही होती है। हिंदी साहित्य में अलग-अलग 'वाद' की दुकाने खुल गई हैं और हरेक साहित्यकार मेरी शर्ट उसकी शर्ट से ज्यादा सफ़ेद वाली स्थिति में रहता है। इस बारे में कमलेश भारतीय का मानना है कि 'वाद' शुरू से चलते आए हैं। आंदोलन चलते आए हैं। नई कहानी आंदोलन, समांतर कहानी, सचेतन कहानी, जनवादी कहानी आंदोलन लेकिन कहानियाँ वही चर्चित रहीं जो मानवीय संवेदना को छू पाईं। कमलेश्वर की राजा निरबंसिया, भीष्म साहनी की चीफ की दावत, अज्ञेय की रोज़ (ग्रैंग्रीन), धर्मवीर भारती की 'बंद गली का आखिरी मकान' , मोहन राकेश की 'मलबे का मालिक', ऊषा प्रियंवदा की वापसी, निर्मल वर्मा की दूसरी दुनिया और अन्य रचनाकारों की अनेक कहानियों को किसी वाद के साथ याद नहीं किया जाता बल्कि संवेदनशील होने के चलते याद किया जाता है। वाद को कोई याद नहीं रखता, पाठक कहानी को याद रखता है। तकनीकी क्रांति ने समाज को किताबों से दूर कर दिया है।

दूसरे प्रकाशक तानाशाह हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में लोग फेसबुक आदि पर अपनी रचनाएं डालते हैं या ऑनलाइन साहित्यिक चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में साहित्य की दिशा के संदर्भ में कमलेश भारतीय बताते हैं कि छपे हुए साहित्य से नई पीढ़ी दूर होती जा रही है। कमलेश भारतीय का कहना है-

बस, इतना ही करना है और यह याद रखना तुम ही हो एक मुसाफिर यह गुमान मत रखना अपने पांव तले कभी आसमान मत रखना।

प्रकाशित पुस्तकें

कमलेश भारतीय की 18 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनके कथा संग्रह महक से ऊपर, मस्तराम ज़िंदाबाद, इस बार, मां और मिट्टी, ऐसे थे तुम, जादूगरनी, शो विंडो की गुड़िया, एक संवाददाता की डायरी, दरवाजा कौन खोलेगा, इतनी सी बात, मैं नहीं जानता, नई प्रेम कहानी, सूनी मांग का गीत के अलावा यादों की धरोहर (साहित्यकारों से साक्षात्कार), मां और मिट्टी कथा संग्रह का नेपाली में अनुवाद, इतनी सी बात का पंजाबी में अनुवाद, लोग भूल जाते हैं (काव्य संग्रह), तथा 'मैं नहीं जानता' प्रकाशित हो चुके हैं।

कमलेश भारतीय

पुरस्कार व सम्मान

कमलेश भारतीय को 1992 में कहानी लेखन महाविद्यालय, अम्बाला छावनी द्वारा श्रेष्ठ लेखन पुरस्कार, 1999 में राज्यकवि स्वर्गीय परमानंद स्मृति सम्मान, 2008 में कैथल की साहित्य सभा की ओर से धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान, फगवाड़ा में पंजाब हिंदी साहित्य अकादमी की ओर से स्वर्गीय डॉ. चंद्रशेखर स्मृति सम्मान, हरियाणा साहित्य अकादमी की ओर से 2010 में देशबंधु गुप्त साहित्यिक पत्रकारिता पुरस्कार आदि से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कमलेश भारतीय
जन्मतिथि : 17 जनवरी, 1952
जन्म स्थान : होशियारपुर (पंजाब)
शिक्षा : एमए (हिंदी) , बीएड, प्रभाकर
संप्रति : प्राचार्य, लेखक, पत्रकार

भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत

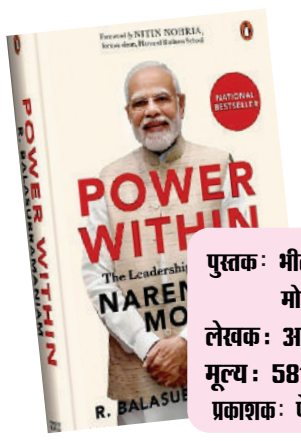

पुस्तक : भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत
लेखक : आर. बालासुब्रमण्यम
मूल्य : 581 रुपये
प्रकाशक : पेंगुइन, भारत

पुस्तक समीक्षा

शिवेश प्रताप

आज इस वैश्वीकरण के युग में हम एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं, जहां हमें यह एहसास होता है कि दुनिया के सामने मौजूद बहुस्तरीय लक्ष्यों, संकटों और समाजों में बढ़ती ध्रुवीकरण की स्थिति से निपटने के लिए केवल सत्ता आधारित नेतृत्व मॉडल ही पर्याप्त नहीं हैं। आज के दौर में हमें ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो न केवल इतिहास से सीखे, बल्कि उसमें स्वीकार्यता की क्षमता, व्यवहारिकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और आध्यात्मिक परिपक्वता का समावेश हो। इन सभी गुणों से युक्त व्यक्तित्व को हम प्रबुद्ध नेतृत्व कह सकते हैं। हम सभी भाग्यशाली हैं कि देश को 2014 में नरेंद्र मोदी के रूप में इन सभी गुणों से युक्त एक ऐसा नेता मिला जिसने तमाम प्रतिकूलताओं से घिरे वातावरण में भी आशा आकांक्षाओं का संचार इस देश में किया। आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित 'Power Within: The Leadership Legacy of NarendraModi' पुस्तक नरेंद्र मोदी के इस अनूठे नेतृत्व को बारीकी से समझने और परखने का एक अवसर प्रदान करती है। पूरी पुस्तक में संस्कृत श्लोकों एवं धर्म शास्त्रों के विचारों को बड़े सुन्दर ढंग से मोदी जी के जीवन प्रसंगों से जोड़ा गया है। इस पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह मोदी जी के नेतृत्व को भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में निहित मानती है। लेखक ने इस पुस्तक में बताया है कि मोदी का नेतृत्व केवल भौतिक सफलता पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता और कर्तव्य की भावना पर भी आधारित है। योग, ध्यान और भगवद गीता के शिक्षाओं के प्रति उनकी आस्था ने उनके शासन को आकार दिया है। वे एक कर्मयोगी के रूप में सेवा करते हैं, जो निःस्वार्थ भाव से, ईमानदारी और करुणा के साथ कार्य करते हैं, और न केवल मानव समाज अपितु सभी जीवों का आपसी जुड़ाव को महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व आधुनिक चुनौतियों का समाधान करते हुए भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है। जो न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए एक शांति और सुख का मार्ग प्रस्तुत करती है। ऐसे अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों और समय में, मोदी का नेतृत्व एक आशा की दैदीप्यमान सूर्य की तरह चमकता है, जो कोटि कोटि भारतीयों को और विश्व के अन्यान्य लोगों को एक बेहतर और अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए प्रेरित करता है। यह पुस्तक मोदी जी के नेतृत्व की विरासत को समझने और उसे सहेजने करने का एक सार्थक प्रयास है।

खबर संक्षेप

बवानीखेड़ा। करवाचौथ पर विधायक कपूर वाल्मीकि अपनी पत्नी के साथ पावन पर्व की रश्में निभाते हुए।

भाजपा ने वंचितों के लिए उठाया कदम : कलकल

चरखी दादरी। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ किरण कलकल के नेतृत्व में बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन किया गया।जिला अध्यक्ष डॉ. किरण कलकल ने प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के वर्गीकरण के फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने वंचित जातियों को ऊपर उठने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को लागू करने के आदेश सभी प्रदेश सरकारों को दिए थे।

करवाचौथ पर्व का बताया आध्यात्मिक महत्व

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धि धाम प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने सुहागिनों को करवाचौथ व्रत का आध्यात्मिक अर्थ बताते हुए कहा कि करवाचौथ का आध्यात्मिक अर्थ है, बुद्धि रूपी करवा परमात्म ज्ञान एवं उजले कर्मों से भरना, 16 श्रृंगार मन आत्मा को दिव्य गुणों से सजाना और खानी के मुताबिक मीराबाई सात भाइयों की बहन थी अर्थात आत्मा सात गुणों से संपन्न थी, तब उसने पति के लिए व्रत किया। आत्मा जब परमात्मा को भूल जाती है तो उसे ही पति से बिछड़ना कहा गया है।

किसानों की अनदेखी से कांग्रेस सत्ता से दूर: मान

चरखी दादरी। हाल ही हुए विधानसभा चुनाव में पहले टिकट वितरण और परिणाम आने के बाद अपने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा को लेकर अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक राजू मान ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने आज यहां किसान कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से लौटने के बाद कहा कि चुनाव ने सिद्ध कर दिया कि कांग्रेस में धरातल पर काम करने वालों की जमकर अनदेखी हुई है, जिसका नतीजा सबके सामने है।

पुस्तकें करती हैं ज्ञान के प्रकाश से रोशन: संजय

लोहारू। लोहारू व्यापार मंडल के सचिव एवं समाज सेवी संजय खंडेलवाल ने कहा कि पुस्तकें विद्यार्थियों के जीवन में नई रोशनी का संचार करती हैं और विद्यार्थियों के भविष्य के निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। हमें पुरानी पुस्तकें बुक बैंक में भेंट करनी चाहिए जिससे जरूरतमंद बच्चे उसका लाभ उठा सकें। वे रविवार को प्रयास -एक कोशिश सामाजिक संगठन के द्वारा संचालित निःशुल्क बुक बैंक में प्रवक्ता रेनू शर्मा द्वारा पुस्तकें भेंट करने पर उनका आभार व्यक्त कर रहे थे।

बच्चों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं प्रतियोगिताएं : सर्राफ

गायन प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में साक्षी, खुशी और अन्नु रही अव्वल

विख्यात पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की याद में स्कूली अंतरराज्यीय गायन प्रतियोगिता का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विजेताओं को पुरस्कृत करते विधायक घनश्याम दास सर्राफ व अन्य।

माऊंटेन स्कूल आर्गेनाईजेशन द्वारा विश्व प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर की स्मृति में स्कूली अंतरराज्य गायन प्रतियोगिता का आयोजन सांस्कृतिक सदन में किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने शिरकत की। आयोजकों ने मुख्यतिथि व विशिष्ठ अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता पूरी तरह से निःशुल्क रही, जिसमें किसी भी प्रतिभागी से कोई शुल्क नहीं लिया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी मीठी आवाज में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका कुलभूषणा शर्मा भिवानी, टीएल शर्मा भिवानी व महेंद्र इंद्रजीत हांसी ने निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन एक पहला कदम है, जो भविष्य में गायन के क्षेत्र में बच्चों को आगे बढ़ाने में विशेष भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी प्रतिभा का मंच प्रदान किया जा सकता है, जिससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि उनकी प्रतिभा में भी निखार आता है, ऐसे कार्यक्रम व आयोजक बधाई व प्रशंसा के पात्र है। इस अवसर पर विशेष अतिथि समाजसेवी सुरेंद्र लोहिया व समाजसेवी शिवरत्न गुप्ता ने कलाकारों की सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आर्गेनाइजेशन के संस्थापक घनश्यामदास शर्मा व अध्यक्ष बंसत शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में दो ग्रुप में करवाई गई, जिसमें 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को जूनियर व 14 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को सीनियर ग्रुप में रखा गया। उन्होंने बताया कि जूनियर ग्रुप में जनसेवा विद्या विहार की साक्षी, श्रीमति दुर्गा देवी हाई स्कूल की खुशी जांगड़ा तथा राजकीय कन्या वमा विद्यालय भिवानी की अन्नु क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार सीनियर वर्ग में बीके स्कूल बवानीखेड़ा की रूपाली, जनसेवा विद्या विहार की प्रियांशु तथा श्रीमति दुर्गा देवी हाई स्कूल की शिवानी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे, जिन्हें क्रमशः 5100, 2100 व 1100 रूपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा दोनों ग्रुपों के सात-सात बच्चों को 200-200 रूपये की प्रोत्साहन राशि भेंट की गई। वहीं सभी प्रतिभागी बच्चों को स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

चरखी दादरी। अपने हाथों पर सुंदर मेहंदी लगाकर दिखातीं छात्राएं।

शिक्षिकाओं व छात्राओं ने सुंदर मेहंदी लगाकर दिखाई प्रतिभा

चरखी दादरी। गांव चरखी स्थित ग्रीन मिडोज वमा विद्यालय में करवाचौथ पर्व के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें महिला अध्यापिकाओं सहित वरिष्ठ वर्ग की छात्राओं ने अपनी कलात्मकता का प्रदर्शन किया। उन्होंने मेहंदी के सुंदर सुंदर डिजाइनों को अपने हाथों पर सजाते हुए सभी को अपनी कला से काफी प्रभावित किया। प्राचार्य सुरेश कुमार व प्रबंधन समिति ने अध्यापिकाओं व छात्राओं के हुनर की तारीफ की। उन्होंने सभी बच्चों की रचनात्मकता और उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता न केवल बच्चों की कला में निपुणता बढ़ाती हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी प्रोत्साहित करती हैं। इस दौरान योगेंद्र सांगवान, अरविंद सांगवान, रविंद्र सांगवान, प्रवक्ता मुकेश कुमार, विकास सांगवान व रमन आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

समूहगान में हलवासिया स्कूल की टीम रही प्रथम

- भाषाओं को बढ़ावा देना एवं भारतीय संस्कृति को सहेजना प्रतियोगिता का उद्देश्य: ढिल्लो
- भाविप ने करवाई हिंदी एवं संस्कृत समूहगान प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भारत विकास परिषद मुख्य शाखा ने रविवार को हलवासिया विद्या विहार स्कूल में संस्कार सूत्र के तहत हिंदी एवं संस्कृत की राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेमप्रकाश अग्रवाल उपाध्यक्ष ने की। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि डॉ. धर्मवीर ढिल्लो एवं विशिष्ट अतिथि सज्जन अग्रवाल एवं विमलेश आर्य ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अपर्ण एवं द्वीप प्रज्वलन करके राष्ट्रीय गीत के साथ की। समूहगान प्रतियोगिता में पांच विद्यालयों की आठ-आठ छात्र-छात्राओं की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में डॉ. अनिता भारद्वाज, डॉ. इंदु गुलिया एवं जयपाल शास्त्री ने निर्णायक मण्डल की भूमिका निभाई। परिषद के सचिव अधिवक्ता ललित शर्मा ने अतिथियों, विद्यालयों एवं आगंतुकों का अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में हलवासिया विद्या विहार की टीम ने प्रथम, वैश्य मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल की टीम ने द्वितीय तथा डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की टीम ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। वैश्य इंटरनेशनल स्कूल, राजकीय वमा विद्यालय, हनुमान ढाणी की टीमों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया तथा स्कूलों को प्रतिभागिता पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर प्रकल्प प्रमुख राकेश कटारिया ने परिषद् के उद्देश्यों तथा प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदी एवं संस्कृत की राष्ट्रीय समूहगान जैसी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य इन भाषाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति को सहेजना भी है। सभी प्रतिभागी छात्र एवं छात्राओं को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र भेट किए गए। निर्णायक मण्डल के सदस्यों को अंग वस्त्र, माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

नौकरी लगने पर मनाई खुशी

- प्रजापति समाज के 1100 से अधिक युवाओं को मिला रोजगार
- प्रदेश में 37 वर्षों बाद प्रजापति समाज का विधायक बना केबिनेट मंत्री : प्रजापति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। ढोल बजाकर व लड्डू बांधकर खुशी मनाते प्रजापति समाज के लोग।

दिनोद गेट स्थित चेतराम प्रजापति धर्मशाला में रविवार को प्रजापति जागृति मंच ने जश्न कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर 37 वर्षों बाद हरियाणा के मंत्रीमंडल में प्रजापति समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा बिना पर्ची-बिना खर्ची प्रजापति समाज के 1100 युवकों को नौकरी लगाने पर ढ़ोल-नंगाड़े बजाकर व लड्डू बांटकर खुशी मनाई। मंच ने भारतीय जनता पार्टी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। इस मौके पर मंच के प्रधान शिवकुमार प्रजापति ने कहा कि वर्ष 1987 के बाद प्रजापति समाज के किसी भी विधायक को हरियाणा मंत्रीमंडल में स्थान नहीं मिला था, जिस कारण प्रजापति समाज का राजनीतिक उत्थान रूका हुआ था, लेकिन अब प्रदेश की नायब सैनी सरकार ने तीन बार के विधायक रणबीर गंगवा को केबिनेट मंत्री बनाकर 37 वर्षों बाद प्रजापति समाज की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की है, जिसके चलते प्रजापति समाज में खुशी है तथा वे भाजपा एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार जता रहे है। शिवकुमार ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति के चलते प्रजापति समाज के युवाओं को रोजगार मिला है।

युवाओं को वाल्मीकि सभा ने मिठाई खिलाकर दी बधाई

तोशाम। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा हाल ही में लगाई गई नौकरियों में तोशाम के डीएससी समाज के बच्चों का चयन होने पर रविवार को स्थानीय भगवान वाल्मीकि मंदिर में एकत्रित होकर वाल्मीकि समाज के लोगों ने चयनित बच्चों को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का आभार जताते हुए भाजपा सरकार की वाहवाही की। सभा के पूर्व प्रधान सम्मी बागड़ी ने कहा कि वाल्मीकि समाज डीएससी के बलबूते ऊपर उठा है और केवल तोशाम शहर के करीबन आधा दर्जन से अधिक बच्चे विभिन्न पदों पर चयनित हुए हैं।

विधायक ने धरने पर जाकर सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। धरने पर आश्वासन देते विधायक कपूर वाल्मीकि। फोटो: हरिभूमि

चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के सामने गांव प्रेमनगर वासियों द्वारा पिछले तीन वर्षों से भी अधिक समय अपनी विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न मांगों के लिए दिए जा रहे धरने पर बवानीखेड़ा के विधायक कपूर वाल्मीकि पहुंचे। धरने पर आज के अध्यक्ष कैप्टन कलम सिंह ने विधायक को अपनी मांगों विभिन्न मांगों से अवगत करवाया। उन्होंने विधायक को चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय में गांव प्रेमनगर वासियों के लिए नौकरियों में आरक्षण, गलत दीवार को हटाना समेत सभी मांगों से अवगत करवाया। जिन्हे सुनकर विधायक कपूर वाल्मीकि ने गांववासियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री से बात करेंगे तथा धरने की कमेटी की मुलाकात सीएम से करवाएंगे। विधायक ने कहा कि वे जल्द से जल्द धरने की मांगों को पूरा करवाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सुदर अत्री, सरपंच राजेश बूरा, जयसिंह दुहन, सुमित, मोनू बूरा, राजेश, साहिल वाल्मीकि, नीटू वाल्मीकि, मनोज, बलवान मास्टर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

स्कूली राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जीता पदक

चरखी दादरी। रोहतक के राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित छठी स्कूली राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान लाधान पाना निवासी पूर्व फौगाट ने कांस्य पदक जीतते हुए जिला व हरियाणा में रोशन किया है। इस उपलब्धि पर मौजिज लोगों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उसके पिता हरियाणा पुलिस में बतौर सिपाही कार्यरत प्रदीप फौगाट ने बताया कि रोहतक में आयोजित स्पर्धा में पूरे हरियाणा के अलग अलग जिलों के विभिन्न स्कूल के खिलाड़ियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई थी। पूर्व फौगाट ने शाटपुट प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश की थी, उसने खेल के अंडर आयुवर्ग 11 के तहत अपनी चुनौती रखी थी। उसने शानदार प्रदर्शन किया व पूरे राज्य में आए खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा व बड़ी स्पर्धा में जिले व अपने स्कूल के लिए कांस्य पदक जीता है। पूर्व फौगाट अनेक बार खंड, जिलास्तर पर अपनी प्रतिभा के दम पर अनेक मेडल जीत चुका है।

डीएपी के लिए लाइनों में लगी महिलाएं

- घंटो इंतजार के बाद भी खाद नहीं मिलने पर जताया रोष
- रविवार शाम को दो-दो बैग डीएपी का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। खाद नहीं मिलने पर रोष जताती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

करवाचौथ के दिन बाढ़ड़ा में डीएपी के लिए महिलाएं भूखी प्यासी लाइनों में लगी रही। सुबह से लाइनों में लगने के बाद ढाई बजे तक खाद नहीं मिलने पर महिलाओं में रोष देखने को मिला। वहीं पुलिस की मौजूदगी में खाद वितरण के लिए किसानों के आधारकार्ड के जमा करवाए गए हैं जिसके बाद शाम के समय दो-दो बैग डीएपी दी गई। बता दें कि शनिवार देर शाम को बाढ़ड़ा में डीएपी के एक हजार बैग पहुंचे थे। लेकिन खाद के ट्रक खाली नहीं हो पाने के कारण खाद के सोमवार को वितरण की बात कही गई थी, लेकिन रविवार सुबह ही किसानों की भीड़ डीएपी के लिए खाद बिक्री केंद्र पहुंची। इसके बाद किसानों को कहा गया कि वे अपने आधार कार्ड जमा करवा दें जिसके बाद उन्हें खाद वितरित की जाएगी। इस दौरान काफी संख्या में महिला व पुरूष किसानों की भीड़ पहुंची। किसानों को भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी और करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी खाद बिक्री केंद्र पर तैनात रहे। सुबह से लाइनों में लगे किसानों को ढाई बजे तक खाद नहीं मिल पाने के कारण उनमें रोष देखने को मिला। वहीं करवा चौथ का व्रत रखे हुए महिलाएं भी भूखी प्यासी लाइनों में लगी रही। महिलाओं ने कहा कि वे सुबह से बच्चों व पशुओं को छोड़कर खाद लेने पहुंची है लेकिन अभी तक खाद नहीं मिली है।

किसानों को धान पर 300 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सविता मान।

सरकार द्वारा धान की समय पर खरीद ना करने से किसान बबार्दी के कगार पर है। किसानों को अपनी धान रखने के लिए ना ही मंडियों में ना ही घर में जगह है। इसलिए किसान को मजबूरी में अपना धान एमएसपी से 100 रूपये से लेकर 250 रूपये प्रति क्विंटल तक कम में बेचना पड़ रहा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण हरियाणा की अनाज मंडियां पूरी तरह धान से भरी हुई है। यह बात कांग्रेस महिला विंग की प्रदेश महासचिव सविता मान ने भाजपा सरकार में किसानों की हो रही अनदेखी पर चिंता व्यक्त करते हुए कही। सविता मान ने कहा कि सरकार की तरफ से बहुत धीमी गति से धान का उठान होने से किसान व आढ़ती परेशान हे। पैसे खाने के चक्कर में सरकारी अधिकारी जानबूझकर धान खरीद में देरी कर रहे हैं। सरकारी ठेकेदार धान उठाने के नाम पर आढ़तियों से प्रति बोरी पैसे मांग रहे हैं। सरकार को सरकारी खरीद एजेंसियों के अधिकारियों की जिम्मेदारी फिक्स करनी चाहिए कि धान की खरीद, उठान व भुगतान होना चाहिए जो भी सरकारी अधिकारी खरीद व उठान में लापरवाही बरते हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

हुजूर कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

संतों का ज्ञान वहां से शुरू होता है,जहां बुद्धि की दौड़ खत्म होती है

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बौद्धिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आद्यात्म को नहीं परखा जा सकता। भक्ति परा विद्या में आती है। सन्तो का ज्ञान वहां से प्रारंभ होता है जहां बुद्धि की दौड़ खत्म हो जाती है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव में स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए।

हुजूर कंवर साहेब ने संगत को करवा चौथ के त्योहार की बधाई देते हुए दीर्घायु होने का आशीष दिया। गुरु महाराज ने उपस्थित बहनों को करवा चौथ की कथा सुनाते हुए कहा कि हिंदुस्तान में परम्पराओ की जड़ बहुत मजबूत है। यहां हर व्रत त्योहार का अपना विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि हर त्योहार परमात्मा की भक्ति की प्रेरणा देता है। सन्तमत भी परमात्म भक्ति पर ही बल देता है बल्कि सन्त तो जीव को हर पल में चेतन रहने का हेला देते हैं। सन्त की बानी इंसान की साँसों को अनमोल बताती है और चेताती है कि एक एक सांस लाख लाख मोल की है इसे वृथा मत खोवो। उन्होंने कहा कि वर्ष भर के प्रमुख तेरह व्रतों में करवा चौथ का व्रत प्रधान है। इसमें हिंदुस्तान की समस्त महिला शक्ति अपने सुहाग की मंगककामना करती हैं। गुरु महाराज ने कहा कि त्योहारों का संदेश किसी एक विशेष दिन के लिए नहीं होता बल्कि यह संदेश जीवन भर के लिए होता है। स्त्री केवल एक दिन मात्र के लिए पति के लिए मंगलकामना थोड़े करती हैं। एक पतिव्रता के लिए तो हर पल अपने सुहाग के लिए मंगल कामना करती है। यह त्योहार केवल पत्नी का त्योहार नहीं है बल्कि यह पति को भी चरित्रवान और पत्नी के लिए प्रेरणादायी बने रहने की प्रेरणा देती है। दुनियावी आवरण के परदों में उलझ कर हम अपने कर्तव्यों को भुला बैठे हैं। यह त्यौहार हमें उन कर्तव्यों की याद दिलाते हैं। अपनी भूल सुधार कर पुनः सतमार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। हुजूर ने कहा कि यह तन रूपी चादर जो परमात्मा ने हमें बक्शी है इसको कैसे रखना है ये हमारे हाथ में है। कोई इसे विषय वासनाओ सर मैला और तार तार कर लेता है तो कोई इसे सतनाम रूपी साबुन से उजला बना लेता है।

रामलवास में अवैध जल दोहन और अन्य मांगों को लेकर धरना जारी

बाढ़ड़ा। रालवास में अवैध खनन व जल दोहन के खिलाफ ग्रामीणों का धरना रविवार को भी जारी रहा। ग्रामीणों ने इस दौरान सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रोष जताया। ग्रामीण मोक्ष, रतनलाल, आकांशु, मनफूल, जयविंदर आदि ने कहा कि वे पिछले डेढ़ माह से अधिक समय से लगातार धरने पर बैठे हुए है। पहाड़ में पिछले काफी समय से अवैध खनन हो रहा है और अवैध जल का दोहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने इस मामले में अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि जल दोहन और अवैध खनन से भूमिगत जलस्तर काफी नीचे जा रहा है और ये अकेले रामलवास गांव की नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की समस्या बनेगी। उन्होंने कहा कि अभी नहीं चेते तो भविष्य में इसके बड़े दुष्परिणाम सामने आएंगे, लेकिन उस समय समस्या का समाधान नहीं मिलेगा, इसलिए जल दोहन को रोकने के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। लोग कई बार प्रशासन से मिल चुके हैं और कई बार इसकी शिकायत भी कर चुके हैं। लेकिन किसी भी प्रकार की कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि वे प्रकृति को बचाने की लड़ाई लड़ रहे है और पूरी दुनिया के देश व लोग प्रकृति को बचाने के लिए अनेक उपाय व प्रतिबंध लगा रहे है।

खबर संक्षेप

एससीआर पब्लिक स्कूल में प्रतियोगिता का आयोजन

चरखी दादरी। चरखी स्थित एससीआर स्कूल में प्राथमिक वर्गीय हिंदी व अंग्रेजी हस्तलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें कक्षा पहली और दूसरी के शिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के लेखन कौशल को निखारना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में आरव, जगप्रीत, दिशा, सहदेव, मनुश्री और हितिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कियारा, शिवांशी, चेतन उत्कर्ष और छवि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि बिट्टू, मानव, मनीष, कियारा, नैना, विधि, शिवआकृति और कैम ने तृतीय स्थान हासिल किया।

सरकार ने अनुसूचित जाति को दिए अधिकार : लोहट

भिवानी। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी संजय कुमार लोहट खरकिया ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण में वर्गीकरण कर मुख्यमंत्री नायब सिहं सैनी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू कर सभी को बराबर का अधिकार देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ने आरक्षण से वंचित अनुसूचित जातियों को उनके अधिकार देकर ऊपर उठाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शपथ लेते ही अनुसूचित जाति के लोगों से किए वायदे को पूरा किया। उन्होंने कहा कि आरक्षण का वास्तविक आधार कतार में खड़े अंतिम व्यक्त तक सहायता पहुंचाना है।

किडनी रोगियों का खर्च सरकार करेगी वहनः डीसी

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा है कि किडनी रोगियों के डायलिसिस पर होने वाले खर्च को राज्य सरकार ने वहन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पदभार ग्रहण करते ही पहली कलम से किडनी रोगियों को बड़ी राहत दी है। महावीर कौशिक ने बताया कि किडनी रोग से पीड़ित रोगियों के लिए सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त डायलिसिस सेवाओं को मंजूरी प्रदान की है।

बिना खर्ची-पर्ची मिला रोजगार,युवाओं में खुशी अपारः सर्राफ

- भाजपा सरकार ने युवाओं के लिए खोले रोजगार के द्वार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। ग्रुप सी व डी में चयनित युवाओं को सम्मानित करते विधायक घनश्याम सर्राफ। *फोटो : हरिभूमि*

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि चुनाव से पूर्व सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा था कि वे शपथ बाद में लेंगे,पहले प्रदेश के 25 हजार युवाओं का रिजल्ट घोषित करवाएगें। ऐसा ही किया। सैनी सरकार ने शपथ से पहले प्रदेश के 25 हजार युवाओं को नायाब तोहफा दिया। उनकी कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं है।

सीएम नायब सैनी ने उक्त युवाओं को रोजगार देकर उनके घरों में दिवाली पर्व जैसी खुशी ला दी। उनके परिवार में भी जबरदस्त उत्साह है। वे आज गांव देवसर में हाल ही में ग्रुप सी व डी में रोजगार पाए युवक व युवतियों को सम्मानित कर रहे थे। अकेले देवसर गांव के 15 युवाओं को ग्रुप सी व डी में रोजगार मिला है। पूरे गांव में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ही ऐसी सरकार है। जिसने प्रदेश में नौकरियों में मामले में पूरी तरह से भ्रष्टाचार पर ब्रेक लगा दिया। बिना किसी सिफारिश के युवाओं को रोजगार दिया है। साथ ही भविष्य के लिए भी रोजगार के अवसरों के द्वार खोल दिए है। आने वाले समय में भी युवाओं को इसी तरह से रोजगार मिलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम ने शपथ लेते ही पहली कलम से डीएससी समाज के कोटे की अधिसूचना जारी कर दी। अब नई नौकरियों की भर्तियों में उक्त कोटे के तहत डीएससी समाज के युवाओं को रोजगार मिलेगा। सरकार की इस तरह की व्यवस्था लागू करने से एससी समाज में कोई भी व्यक्ति सरकारी आरक्षण से वंचित नहीं रहेगा। बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत होगा। उन्होंने प्रदेश के हजारों युवाओं को नौकरी देने व डीएससी समाज को आरक्षण देने की अधिसूचना जारी करने पर सीएम नायब सैनी का आभार जताया। साथ ही उन्होंने विधानसभा चुनावों में भाजपा को अपार जीत दिलाने पर ग्रामीणों का धन्यवाद कि। इस मौके पर सरपंच संजय देवसरिया, मोनू के अलावा अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

वर्गीकरण का फैसला सरकार का ऐतिहासिक कदमः सुनील सांगवान

चरखी दादरी। दादरी से भाजपा विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में लंबे समय से एससी आरक्षण में वर्गीकरण की मांग थी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पहली कलम से ही वंचित वर्ग से संबंधित 36 जातियों के समूह को 10 प्रतिशत अलग से कोटा देकर ऐतिहासिक कदम उठाया है।

- डीएससी वर्ग के लोगों ने विधायक सांगवान के माध्यम से सरकार का किया धन्यवाद

सांगवान ने इसे अनुसूचित जाति के वंचित वर्ग को सीधा लाभ पहुंचने की बात कही। डीएससी वर्ग के लोगों ने धर्मबीर भोला, टोनी, पवन व महेश की अगुवाई में रविवार को भाजपा विधायक सुनील सांगवान के दादरी निवास पर पहुंचकर सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनकी मांगों बारे घोषणा कर इसे लागू कर दिया है। डीएससी समाज के नेता ने विधायक सुनील सांगवान के माध्यम से मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनकी डीएससी वर्ग की मांग को पूरा करते हुए सरकारी नौकरी में भी इसे लागू कर दिया है। इससे लंबे समय से वंचित यह वर्ग सरकारी नौकरियों में जाकर अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठा पाएगा। सुनील सांगवान ने कहा कि भाजपा सरकार हर वर्ग को लेकर गंभीर है। यहीं कारण है कि सीएम नायब सिंह सैनी ने सीएम पद की शपथ लेते ही पहली कलम से अपना वायदा पूरा करते हुए ऐतिहासिक कार्य किया है। डीएससी वर्ग से अनुसूचित जाति के वंचित वर्ग को सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का सीधा लाभ पहुंचेगा।

माकपा ने विभाग के फैसले की निंदा की

भिवानी। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला कमेटी भिवानी ने परसों कृषि विभाग द्वारा

जारी किए पत्र, जिसके तहत पराली जलाने वाले किसानों पर एफआईआर दर्ज करने और दो सीजन तक उसकी उपज मंडी में नहीं खरीदने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है और सरकार से इस आदेश को वापस लेने की बात कही, अन्यथा माकपा किसानों के साथ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने पर मजबूर होगी। यह जानकारी माकपा के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने दी।

सुहागिनों ने पूरे दिन भूखी-प्यासी रहकर रखा उपवास

पति की दीर्घायु और सलामती के लिए सुहागिनों ने रखा करवाचौथ का व्रत

सुहागिनें सौलह श्रृंगार करके अपने हाथों में अपने सजना के नाम की मेहंदी रचाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। चूहड़सिंह की बाजारी में करवाचौथ पर कथा सुनती सुहागिनें।

करवाचौथ हर सुहागिन के लिए बहुत ही खास होता हैं, जिसको लेकर कई दिन पहले से ही सुहागिनें तैयारी में जुट जाती हैं। करवाचौथ पर बाजार में हर तरफ महिलाओं की भीड़ नजर आती हैं और प्रत्येक दुकान पर महिलाएं खरीददारी करती हैं। इस दिन सुहागिनें सौलह श्रृंगार करके अपने हाथों में अपने सजना के नाम की मेहंदी रचाती हैं और पूरे दिन भूखी प्यासी रहकर उपवास रखकर पति की लम्बी उम्र की कामना करती हैं और प्रत्येक वर्ष इसे इसी तरफ धूमधाम से मनाने की कामना करती हैं।

सुहागिनों ने रात 7:55 बजे छलनी के अंदर से चांद व पति का दीदार किया और पति के हाथ से पानी पीकर उपवास खोला और उनके चरण स्पर्श कर सदा सुहागिन बनी रहने की कामना की। उल्लेखनीय हैं कि पुराना पटवारखाना चूहड़सिंह की बाजारी, नूनसर जोहड़, हनुमान ढाणी, गुजरो की ढाणी सहित अनेक स्थानों पर सुहागिनों ने एकत्रित होकर सामूहिक रुप से करवाचौथ पर चौथ माता व विनायक भगवान की कथा सुनीं। महिलाओं ने दिनभर भूखे-प्यासे रहकर पति की दीर्घायु एवं स्वस्थ्य रहने की कामना की। वहीं सुहागिनों ने चौथ माता व गणेश भगवान से ताउम्र सुहागिन जीवन जीने की प्रार्थना करती हैं। कथा संपन्न होने के बाद सुहागिनों ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और चंद्र उदय तक उनके शरीर में वहीं तेज बना रहने की कामना की, ताकि वे अपने संकल्प को पूरा कर सकें। सुहागिनों ने करवा चौथ पर अपने सजना के नाम की मेहंदी रचाई और घरों में स्वादिष्ट पकवान बनाए।

ब्यूटी पार्लरों पर रही भीड़

करवा चौथ पर सुहागिनों ने सजने संवरने के लिए ब्यूटी पार्लरों में एंडवास बुकिंग करवा रखी थी। महिलाओं को घंटों-घंटों तक ब्यूटी पार्लरों व सैलून में बारी का इंतजार करना पड़ा। करवाचौथ पर पार्लर व सैलून संचालिकाओं ने सुहागिनों के लिए स्पेशल पैकेज रखे थे, जिसमें क्लीनिंग से फेशियल, हेयर ट्रीटमेंट से पॉलिशिंग शामिल थे, ये सभी पैकेज महिलाओं की पसंद एवं जरूरत के अनुसार थे। वहीं पार्लरों में महिलाओं ने समय निर्धारित कर एडवांस बुकिंग करवा रखी थी, जिन्हें कम परेशानी हुई। करवाचौथ पर्व इस बार रविवार को मनाया जा रहा हैं। अक्सर करवाचौथ अन्य वर्किंग दिनों में आता था, जिसकारण कामकाजी महिलाओं को कार्यालयों से छुट्टी लेनी पड़ती थी या फिर उन्हें खरीददारी देर शाम को करनी पड़ती थी। अबकी बार रविवार को करवाचौथ पर्व होने से कामकाजी महिलाओं के लिए डबल खुशी का दिन हैं।

संस्कृति, परंपरा व अखंडता का पर्व है करवाचौथ

भिवानी। संस्कृति परंपरा व अखंडता के पर्व करवाचौथ पर इंडिया स्पोर्ट्स संघ द्वारा शक्ति सम्मान समारोह के तहत महिलाओं का सम्मान किया। इंडिया स्पोर्ट्स संघ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रीतिक वधवा ने मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि मातृ शक्ति को वर्णित करना शब्दों में सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर, मदर टेरेसा, इला भट्ट, महादेवी वर्मा, राजकुमारी अमृत कौर, अरुणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी और कस्तूरबा गांधी जैसी अनेक महिलाओं ने अपने मन-वचन व कर्म से सारे जग-संसार में अपना नाम रोशन किया है। इस अवसर पर पंडित मथुरा प्रसाद, कृष्णा आर्य, मीनाक्षी वधवा, ममता वधवा, रोशनी देवी, मंजू बजाज, उर्मिला आदि मौजूद रही।

चरखी दादरी। मंदिर में सामूहिक पूजा करतीं महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

सत्यम शिवम सुंदरम मंदिर में सुहागिनों ने सुनीं कथा

- महिलाओं ने सुहाग की लंबी आयु और समृद्ध जीवन की कामना के साथ व्रत रखा

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

पंचनद चौक स्थित सत्यम शिवम सुन्दरम मंदिर में करवा चौथ व्रत पर सुहागिन महिलाओं ने धूमधाम से पूजन किया। इस धार्मिक आयोजन में भारी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। महिलाओं ने सुहाग की लंबी आयु और समृद्ध जीवन की कामना के साथ व्रत रखा और पारंपरिक कथा का श्रवण किया। यह व्रत कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्थी को सुहाग की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है। मंदिर में पंडित घनश्याम ने पूजा विधि का संचालन किया। पूजन में भगवान गणेश, शिवजी, माता पार्वती और षडानन की विधिवत पूजा की गई। इसके बाद महिलाओं ने चंद्रमा को अर्ध्य देकर व्रत खोला और अपने पतियों के हाथ से मिठाई खाकर जल ग्रहण किया।

व्रत के समापन पर भगवान से सुहाग की रक्षा और मंगल कामना की प्रार्थना की गई। पंडित घनश्याम ने करवाचौथ की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला और व्रत के महत्व को बताते हुए भगवान कृष्ण और द्रौपदी के बीच हुए संवाद की कथा सुनाई। व्रत का वर्णन वामन पुराण में मिलता है, भगवान कृष्ण ने द्रौपदी को उनके पति अर्जुन के लिए चिंतित देखकर करवाचौथ व्रत की महिमा बताई थी। इसके साथ ही भगवान कृष्ण ने द्रोपदी को इन्द्रप्रस्थ के रहने वाले वेद शर्मा नामक ज्ञानी ब्राह्मण व लीलावती की कथा का प्रसंग सुनाते हुए वीरवती और सात भाईयों की कथा सुनाई, जिसमें वीरवती के व्रत खंडित हो जाने से उसके पति के चेतना खोने की घटना का उल्लेख किया। पंडित घनश्याम ने बताया कि इंद्राणी की कृपा से वीरवती का व्रत सफल हुआ और उसका पति पुनः स्वस्थ हो गया।

ये रही उपस्थितः इस अवसर पर सुनीता शर्मा, सपना शर्मा, सीमा वधवा, रचना मुंजाल, अंजू मुंजाल, अनु मुंजाल, प्रीति खन्ना, प्रीति फौगाट, काम्या मुंजाल, नीति सलूजा, सुषमा, अनु अरोड़ा आदि उपस्थित रही।

अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण से प्रदेश भर के ओड समाज में खुशी : महेंद्र सिंह

भिवानी। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सुप्रीम कोर्ट का अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का फैसला लागू कर अनुसूचित जाति वर्ग-ए में शामिल

विभिन्न जातियां को लाभ पहुंचाने का काम किया है, जो कि पिछले लंबे समय से अपने अधिकारों से वंचित थे। मुख्यमंत्री के इस फैसले प्रदेश भर के ओड समाज में खुशी है तथा उन्हें अब अपने सामाजिक व शैक्षणिक उत्थान की उम्मीद जगी है। यह बात ओड समाज के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ओड ने प्रैस को जारी ब्यान में मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कही। उन्होंने कहा कि समाजहित सोच के चलते जल्द ही ओड समाज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सम्मानित करेगा। अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

बाइक चालकों पर पुलिस प्रसासन की सख्ती

- बाइक से पटाखे छोड़ने कलाबाजी और खतरनाक करतब करने की मिली रही थी शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

जिला पुलिस आजकल त्योहार सीजन को लेकर सख्त नजर आ रही है। जिसके चलते रविवार दिन में मुंडा चौकी के तहत लापरवाही से वाहन चलाने वालों को लेकर पुलिस सख्त नजर आई। बिना नम्बर प्लेट और अन्य नियम अवहेलना वाले वाहनों की गहनता से जांच। मुंढाल गाँव मे पुलिस प्रसासन द्वारा नियम अवहेलना वाले वाहनों पर सख्ती करते हुए प्रतिदिन सन्दिग्ध वाहन चालकों की जांच की जा रही है। रात्रि गस्त कर और पुलिस नाके लगा गाव में आवागमन करने वाले वाहनों पर पुलिस की पैनी निगरानी बनी हुई है। चौकी इंचार्ज राजेश ने बताया कि उन्हें आये दिन शरारती तत्वों द्वारा बाइक से पटाखे छोड़ने कलाबाजी और खतरनाक करतब करने सहित अन्य नियम अवहेलना किये जाने की शिकायते मिल रही थी, जिसको लेकर अब पुलिस प्रसासन ने सख्ताई करते हुए चौक चौराहों पर नाके लगा प्रवेश करने वालो की आवश्यक जांच कर नियम अवहेलना पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

सीएम ने कमजोर वर्ग को दिए अधिकार

- वंचित समूह को आरक्षण का लाभ पहुंचाने को आरक्षण में वर्गीकरण का फैसला ऐतिहासिक : मेवलीवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। एससी आरक्षण में वर्गीकरण लागू करने पर एक दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी मनाते लोग। *फोटो : हरिभूमि*

अनुसूचित जातियों में अधिक वंचित समूहों के लिए अलग से कोटा देकर अनुसूचित जाति के वंचित वर्ग का उत्थान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण की अनुमति दी थी, जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने वादे अनुसार पूरा कर वंचित वर्ग को राहत पहुंचाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सराहनीय एवं ऐतिहासिक फैसले का रविवार को संत दुर्बलनाथ शक्तिपीठ संस्थान खटीक समाज ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने स्वागत किया तथा दुर्गा कॉलोनी स्थित खटीक धर्मशाला में ढ़ोल-नंगाड़ों के साथ लड्डू बांटकर खुशी जताई तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। इस दौरान समाज के लोगों ने हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ. रविंद्र बलियाला, वाइस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर एवं सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

नहीं सुधरा जीवन स्तर

मास्टर हरकेश बुंढेला व प्रधान नानकचंद मेवलीवाल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में अनुसूचित जाति को कुल 20 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलता था, लेकिन उस 20 प्रतिशत आरक्षण का अधिकत्तर लाभ अनुसूचित जाति वर्ग-बी के लोग उठाते थे तथा अनुसूचित जाति वर्ग-ए में शामिल विभिन्न जातियों का समूह आरक्षण के अधिकार से वंचित रह जाता था, जिससे कि उनका जीवनस्तर आज तक नहीं सुधर पाया, लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आरक्षण का लाभ समाज के सबसे वंचित और जरूरतमंद समूहों तक पहुंचाने के लिए अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का ये फैसला लागू किया जो बहुत ही सराहनीय है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

प्रदेश सरकार दे रही खिलाड़ियों को पूर्ण प्रोत्साहन : कपूर

आदर्श महिला कॉलेज व वैश्य कॉलेज की टीम प्रथम

- सीबीएलयू में अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सीबीएलयू में अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्यतिथि विधायक कपूर वाल्मीकि के साथ खिलाड़ी व अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी को रोकने का प्रयास करते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश सरकार की खेल नीति खिलाड़ियों के पूरी तरह अनुकूल और सरकार खिलाड़ियों को पूर्ण रुप से प्रोत्साहन दे रही है, ये विचार बवानीखेड़ा से विधायक कपूर वाल्मीकि ने चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में बतौर मुख्यतिथि खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ये विश्वविद्यालय उनके विधानसभा क्षेत्र में आता है और वह इस विश्वविद्यालय की विकास यात्रा में अपना पूर्ण सहयोग देंगे। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और खेलों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने विधायक कपूर वाल्मीकि सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य बेहतर प्रशिक्षण एवं खेलों को पूर्ण प्रोत्साहन प्रदान कर विश्व स्तर के खिलाड़ी तैयार करना है। सुप्रसिद्ध कबड्डी खिलाड़ी,द्रोणाचार्य अवॉर्डी एवं पदमश्री सुनील डबास ने युवाओं से एक खेल जरूर खेलने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में आदर्श महिला महाविद्यालय की टीम ने प्रथम, महिला महाविद्यालय झोझू कलां ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में वैश्य कॉलेज की टीम ने प्रथम, महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय कॉलेज भिवानी की टीम द्वितीय रही।